आख़िर आ कहां से रहा है इतना दूध?

जिले में दुग्ध उत्पादों की भरमार, शुद्धता पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

छिंदवाड़ा ज़िले में इन दिनों एक बड़ा और गंभीर सवाल आम जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बड़ी-बड़ी डेयरी और ब्रांडेड कंपनियां रोज़ाना हज़ारों लीटर दूध की सप्लाई कर रही हैं, लेकिन आज तक इसकी कोई ठोस जांच-पड़ताल क्यों नहीं हुई? क्या प्रशासन, खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियां आंख मूंदकर सब कुछ देखने की आदी हो चुकी हैं?

जिले की भौगोलिक स्थिति और पशुधन आंकड़ों पर नज़र डालें तो यह सवाल और भी चौंकाने वाला बन जाता है। छिंदवाड़ा में न तो इतनी बड़ी डेयरी फार्मिंग यूनिट्स हैं और न ही उतनी संख्या में दुधारू पशु, जितना दूध रोज़ बाज़ार में खपाया जा रहा है। इसके बावजूद ब्रांडेड कंपनियों के दूध, देशी घी, पनीर, दही और मठा हर गली-मोहल्ले में धड़ल्ले से बिक रहे हैं। सवाल यह है इतना सारा दूध आखिर आ कहां से रहा है?

स्थानीय दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि वे खुद सीमित मात्रा में ही दूध उत्पादन कर पा रहे हैं। कई छोटे किसान तो लागत भी नहीं निकाल पा रहे, जबकि बाज़ार में दूध की कोई कमी दिखाई नहीं देती। क्या यह संकेत नहीं देता कि कहीं न कहीं मिलावटी दूध, पाउडर से तैयार दूध या रासायनिक तरीकों से बनाए गए दुग्ध उत्पादों की सप्लाई हो रही है? सबसे गंभीर बात यह है कि अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा न तो नियमित सैंपलिंग की गई और न ही किसी बड़ी ब्रांडेड कंपनी के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कोई जांच रिपोर्ट सामने आई।

क्या ब्रांडेड नाम होने से कानून से छूट मिल जाती है?

क्या आम आदमी की सेहत की कीमत पर कंपनियों को खुली छूट दी जा रही है?

देशी घी के नाम पर बिकने वाला घी, पनीर की आड़ में बिक रहा सिंथेटिक पदार्थ, दही और मठा में इस्तेमाल हो रहे संदिग्ध केमिकल ये सिर्फ़ आशंकाएं नहीं हैं, बल्कि देश के कई हिस्सों में पहले ही ऐसे खुलासे हो चुके हैं। फिर छिंदवाड़ा में ऐसा क्या खास है कि यहां सब कुछ "सुरक्षित" मान लिया गया? दूध और उससे बने उत्पाद बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की रोज़मर्रा की ज़रूरत हैं। अगर इनमें मिलावट हो, तो इसका असर सीधा लोगों की सेहत पर पड़ता है किडनी, लीवर, पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम तक को नुकसान पहुंच सकता है। फिर भी जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। अब वक्त आ गया है कि प्रशासन नींद से जागे। ज़रूरत है कि छिंदवाड़ा में सप्लाई हो रहे हर बड़े डेयरी ब्रांड, दूध कलेक्शन सेंटर और दुग्ध उत्पाद यूनिट की सख़्त जांच हो। दूध का स्रोत क्या है, उत्पादन कहां हो रहा है, गुणवत्ता मानकों का पालन हो रहा है या नहीं इन सभी बिंदुओं पर पारदर्शी जांच अनिवार्य है। जनता अब जवाब चाहती है। सिर्फ़ ब्रांडेड पैकिंग और बड़े नामों के भरोसे सेहत को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। अगर समय रहते जांच नहीं हुई, तो यह लापरवाही आने वाले समय में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। सवाल साफ़ है दूध सफेद है, लेकिन क्या इसकी सच्चाई भी उतनी ही साफ़ है?

बाजार में बिक रहे है दुग्ध के संदिग्ध उत्पाद, खाद्य विभाग की भूमिका भी संदिग्ध

छिंदवाड़ा जिले में दूध, मक्खन, घी और पनीर की आसान उपलब्धता ने शुद्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अकेले उमरानाला–सरोड़ा क्षेत्र से भारी मात्रा में दूध व दुग्ध उत्पाद रोज़ छिंदवाड़ा पहुंच रहे हैं और गली-गली बेचे जा रहे हैं। जिले भर में घी और मक्खन के दाम अलग-अलग हैं—बड़ी दुकानों और फेरी वालों की कीमतों में भारी अंतर है। पनीर के नाम पर नकली उत्पाद बिकने की शिकायतें आम हो गई हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत प्रभावित हो रही है। बावजूद इसके, खाद्य विभाग की ठोस कार्रवाई नज़र नहीं आ रही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आज तक किसी बड़ी डेयरी पर ठोस कार्यवाही की बात नहीं आई है। इसका मतलब यह है कि छिंदवाड़ा में दुग्ध उत्पाद बेहद शुद्ध आ रहे है और दुग्ध उत्पादों की कोई कमी भी नहीं है। दीपावली जैसे त्यौहारों पर हजारों किलो मिठाईयां शुद्ध दूध से ही बनती है क्योंकि खाद्य विभाग की टीम जांच करने तो जाती है परंतु कभी मक्खन, घी, पनीर के सैम्पल की व्यापक जांच कभी सार्वजनिक नहीं की गई। त्यौहारों के पहले अधिकारियों का एक दल वसूली पर निकलता है जो जांच के नाम पर सैम्पल तो कलेक्ट करता है परंतु जांच रिपोर्ट आने तक बाजार का खेल खत्म हो जाता है और आम जनता अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करवा लेती है। विभाग की रिपोर्ट कब आती है और कब जाती है। यह सिर्फ दस्तावेजों में सिमटकर रह जाता है। दूध और दुग्ध उत्पादों के स्त्रोत, कीमतों में अंतर ओर गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच की रिपोर्ट अगर सार्वजनिक की जाए तो जिले में बिक रहा दूध और उसके उत्पादन सच में सेहतमंद है या सिर्फ आसानी से उपलब्धता के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है। यह बड़ा सवाल है।

आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

परासिया में बेटे ने फावड़े से मारकर की पिता की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

छिंदवाड़ा जिले के परासिया थाना क्षेत्र में 3 फरवरी की रात पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। वार्ड क्रमांक 07 बी.जे. सायडिंग में पुत्र ने मामूली कहासुनी के बाद अपने ही पिता पर फावड़े से हमला कर दिया, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने 11 फरवरी को आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार घटना रात लगभग 10 बजे की है। आरोपी नीरज इवनाती (36) अपने घर पर तेज आवाज में होम थिएटर चला रहा था। उसकी मां ने आवाज कम करने को कहा तो वह विवाद करने लगा। अशोभनीय भाषा का प्रयोग करने पर पिता भारत लाल इवनाती (72) ने आपत्ति जताई। इसी दौरान आरोपी ने आंगन में रखा फावड़ा उठाकर पिता पर प्राणघातक वार किया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

मामले में थाना परासिया में अप.क्र. 40/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे एवं ए स डी ओ पी जितेन्द्र सिंह जाट के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वर पटले के नेतृत्व में टीम गठित की गई। 11 फरवरी को आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा विधिवत जब्त किया गया तथा न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में घटना पारिवारिक विवाद का परिणाम प्रतीत होती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पारिवारिक तनाव और असंयमित व्यवहार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक है।

151 किलो का त्रिशूल श्री भोले के शिवलिंग मंदिर दमुआ में करेंगे भेंट

दमुआ। श्री भोले के शिवलिंग मंदिर मोमिनपुरा दमुआ समिति के सदस्यो में सर्व श्री विक्की प्रजापति, श्री अमन सूर्यवंशी, अमरदीप राय, दीपक नायक , संतू भैया, रिंकू भाई, पिल्लू भाई , मनीष भाई, मनोज भैया, मुक्कु भाई, करन भाई लाली भैया मुन्ना भाई, धनराज, रामसिंग आदि समिति के प्रमुख सदस्य एवं भक्तजन शिवरात्रि के पावन अवसर पर 151 किलो का त्रिशूल पूजन अनुष्ठान कर नगर का भ्रमण करते हुए चैरागड महादेव यात्रा पहुंचेंगें एवं विधिवत पूजन अनुष्ठान देव दर्शन करके अपनी यात्रा को सफल बनाते हुए पुनः वापस दमुआ आकर श्री शिवलिंग मंदिर मोमिनपुरा दमुआ त्रिशूल भेंट करेगें त्रिशूल को लेकर गाजे बाजे के साथ शिवभक्त चैरागड मंदिर की यात्रा पर 10 फरवरी को निकले है तथा 12 फरवरी को वापस कर त्रिशूल भेंट करेगें।

ई.व्ही.एम. - व्ही. व्ही.पी.ए.टी. गोदाम का निरीक्षण आज

छिन्दवाड़ा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल के पत्र के परिप्रेक्ष्य में वेयर हाउस, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पास ईएलसी चौक नागपुर रोड छिंदवाड़ा में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हरेंद्र नारायन द्वारा 12 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे आयोग के निर्देशानुसार ई.व्ही.एम. - व्ही. व्ही.पी.ए.टी. गोदाम का निरीक्षण किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी छिंदवाड़ा श्रीमती ज्योति ठाकुर ने निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष/ सचिव, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल अथवा उनके प्रतिनिधियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

जिला स्तरीय समितियों में अशासकीय सदस्यों की नामांकन कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेन्द्र नारायन द्वारा जिले के सभी संबंधित विभागों को जिले के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गठित विभिन्न जिला स्तरीय समितियों एवं बोर्डों में अशासकीय सदस्यों के नामांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने निर्देश दिए है कि शासन के दिशा-निर्देशानुसार समितियों का गठन कर प्रभारी मंत्री से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद इसकी प्रति कलेक्टर कार्यालय एवं जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

बिछुआ के सेक्टर क्रमांक-4 में नवांकुर संस्था की बैठक आयोजित

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बिछुआ के सेक्टर क्रमांक-4 में गत दिवस नवांकुर संस्था ग्राम कल्याण सेवा समिति सोनपुर की बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा नशामुक्ति अभियान, संस्कार केंद्र, जैविक कृषि एवं नर्सरी तैयार करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संस्था के सचिव श्री हरिश्चंद्र चौधरी एवं सह-सचिव श्री नरेश डवरे ने आगामी कार्ययोजना की जानकारी समिति सदस्यों को दी। वहीं परामर्शदाता श्री योगेश बोपचे द्वारा शासन की योजनाओं पर चर्चा करते हुए जल संरक्षण विषय पर ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव के साथ भी संवाद किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बीएसडब्ल्यू छात्र समिति के सदस्य प्रवीण चावके, संजय शेडे, हिम्मत सिंह ठाकुर, लक्ष्मीकांत बोबडे, लखन बन, प्रतिभा इंगले तथा बीएसडब्ल्यू छात्रा रंजना चौधरी उपस्थित थीं। यह फील्ड कार्य जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं ब्लॉक समन्वयक श्री दीपक गेडाम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पाक्सो एक्ट का ज्ञान हर छात्र को होना जरूरीः न्यायाधीश राकेश सिंह

छिंदवाड़ा। बालकों के बढ़ रहे अपराधो इन विषयों की जानकारी देने के लिए जिला प्रधान न्यायाधीश एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशांत हुद्दार के निर्देशन मे शासकीय आदीवासी महिला ओधोगिक प्रशिक्षण संस्था छिंदवाड़ा मे बालको के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम हेतु बाल सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम प्राचार्य दिनेश कुमार की उपस्थिति मे किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राकेश सिंह ने छात्रो को बताया की पाक्सो एक्ट की जानकारी के आभाव मे ही दिनो दिन अपराध बढ रहे हे इसलिए हर छात्र को पाक्सो एक्ट का ज्ञान जरूरी हे तभी हम सुरक्षित बच पायेंगे । वो व्यक्ति जिनकी उम्र 18 से ऊपर की जिन्होने नाबालिग बच्चों के साथ लेंगिक शोषण हुआ है।

8 वाहनों पर 12000 रूपये की चालानी कार्यवाही

परिवहन विभाग के जांच दल ने छिंदवाड़ा-भूराभगत-पचमढ़ी मार्ग पर चलाया जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

परिवहन आयुक्त ग्वालियर एवं कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के विशेष जांच दल द्वारा आज छिंदवाड़ा-भूराभगत-पचमढ़ी मार्ग पर महादेव मेले पर संचालित हो रहे छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिन्दवाड़ा श्री अनुराग शुक्ला ने बताया कि महादेव मेले पर संचालित हो रहे छोटे-बड़े वाहनों की जांच में मुख्यतः यात्री वाहनों में ओवरलोडिंग, किराया सूची, आपातकालीन द्वार पर दरवाजा लगा होना, अग्निशामक यंत्र साथ ही वाहन संबंधी समस्त दस्तावेजों, महाराष्ट्र राष्ट्र राज्य की सीमा से संचालित हो रहे वाहनों का मोटरयान कर, यात्रियों की ओवरलोडिंग की सघनता से जांच की गई। जांच में मोटरयान अधिनियम के तहत कमियां पाये जाने पर 08 वाहनों पर 12000 रूपये की चालानी कार्यवाही कर राजस्व प्राप्त किया गया साथ ही वाहन संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि यात्रियों से अधिक किराया ना लिया जाये, यात्रियों से चालक/परिचालक द्वारा दुर्व्यवहार ना किया जाये, किराया सूची वाहन में चस्पा हो एवं मोटरयान अधिनियम के अनुसार वाहन का संचालन हो अन्यथा नियमानुसार परमिट निरस्त की कार्यवाही की जायेगी ।

रबी सीजन में पराली जलाने पर प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी दंडात्मक कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हरेंद्र नारायन द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर जिला छिंदवाड़ा की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में रबी मौसम 2025-26 में लगाई गई फसलों (गेहूं, चना आदि) की पराली/नरवाई में आग लगाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है।

आदेश में उल्लेखित है कि फसल कटाई के बाद पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इससे पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँचती है, हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है तथा खेत की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। आग के अनियंत्रित होने की स्थिति में जन-धन, अन्य किसानों की फसलें, प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव-जंतुओं को व्यापक नुकसान होने की आशंका रहती है। साथ ही मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना तथा माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अनुरूप फसल अवशेष जलाना प्रतिबंधित है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा पराली जलाने की घटनाओं की सैटेलाइट मैपिंग भी की जा रही है।

आदेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि जिले में संचालित कंबाइन हार्वेस्टर स्ट्रा रीपर/स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के साथ ही संचालित किए जाएं। जिला परिवहन अधिकारी एवं सहायक कृषि अभियांत्रिकी अधिकारी को इसकी सतत निगरानी एवं बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के संचालित पाए जाने पर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत एक पक्षीय पारित किया गया है। आदेश से व्यथित कोई भी व्यक्ति धारा 163(5) के अंतर्गत सक्षम न्यायालय में अपना पक्ष/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय होगा।

400 कि.ग्रा.महुआ लहान व 45 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर.वैद्य के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में वृत्त परासिया, जामई एवं दमुआ के संयुक्त गठित दल प्रभारी अधिकारियों द्वारा आज भूराभगत मेला एवं आसपास के क्षेत्रों में कार्यवाही की गई। गठित सयुंक्त टीम द्वारा सर्वप्रथम मेला क्षेत्र में लगे

आसपास क्षेत्र में ड्रमों में रखा लगभग 400 किलोग्राम महुआ लहान बरामद किया गया एवं अज्ञात के विरुद्ध प्रकरण कायम किया गया। इसके बाद मेला क्षेत्र में लगे जलपान गृह, होटल एवं ढाबों में लोगों के द्वारा बेचने के लिये छुपा कर रखे देशी-विदेशी मदिरा बरामद किया गया, जिसकी कुल मात्रा 14.8 बल्क लीटर मदिरा बरामद किया गया। मेला क्षेत्र में ही झाड़ियों में रखा 03 प्लास्टिक कि कुप्पी में रखा हाथ भट्टी मदिरा भी बरामद किया गया, जिसमें कुल 45 लीटर हाथ भट्टी मदिरा होना पाया गया। इस दबिश कार्यवाही में कुल 04 प्रकरण कायम किया गया। दबिश कार्यवाही में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क एवं च के तहत 04 प्रकरण कायम किया गया। दबिश कार्रवाई में गठित मेला दल प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री वासुदेवाचार्य त्रिपाठी, आबकारी उप निरीक्षक श्री जीत सिंह धुर्वे, श्री ओमकार सिंह मार्को, श्री अनिकेत पटेल एवं समस्त आबकारी आरक्षक उपस्थित थे।

महाप्रबंधक कार्यालय में नियमों की अनदेखी, आखिर कब होगी कार्यवाही

वेकोलि की बिजली से चार्ज हो रही ठेकेदार की गाड़ी, प्रबंधन पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के पेंच क्षेत्र स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में कंपनी के नियमों को ताक पर रखकर चहेते ठेकेदारों को विशेष सुविधाएं दिए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां कोयला खदान में कार्यरत ठेकेदारों की बैटरी से चलने वाली गाड़ियां वेकोलि की बिजली से चार्ज कराई जा रही हैं, जिससे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के सवाल खड़े हो गए हैं।

बीते दिनों महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में शिवपुरी निवासी एक ठेकेदार की नई बैटरी चालित गाड़ी को कार्यालय की बिजली से चार्ज करते हुए देखा गया। बताया जा रहा है कि संबंधित ठेकेदार पेंच क्षेत्र की कोयला खदानों में ठेकेदारी का कार्य करता है और अक्सर अपने कार्यों से संबंधित फाइलों के निपटारे के लिए महाप्रबंधक कार्यालय आता-जाता रहता है। इसी दौरान उसकी गाड़ी को बिना किसी अनुमति या शुल्क के कंपनी की बिजली से चार्ज कराया जाता है।

महाप्रबंधक कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों के अनुसार, जब ठेकेदार कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मुलाकात कर फाइलों का काम निपटाता है, तब तक उसकी गाड़ी कार्यालय परिसर में ही चार्ज होती रहती है। कर्मचारियों का कहना है कि यह कोई एक-दो दिन की बात नहीं, बल्कि लंबे समय से यह सिलसिला चलता आ रहा है, जिसकी जानकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी है।

सूत्रों से यह भी जानकारी सामने आई है कि संबंधित ठेकेदार सत्ता पक्ष से जुड़ा हुआ नेता बताया जा रहा है। ऐसे में अधिकारियों द्वारा उसे विशेष सुविधा दिए जाने को राजनीतिक दबाव या सांठगांठ से जोड़कर देखा जा रहा है। नियमों के अनुसार वेकोलि की बिजली का उपयोग केवल कंपनी के अधिकृत कार्यों और उपकरणों के लिए किया जा सकता है, लेकिन ठेकेदार की निजी गाड़ी को चार्ज करना इन नियमों का खुला उल्लंघन माना जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस महाप्रबंधक कार्यालय में यह पूरा मामला सामने आया है, वहीं महाप्रबंधक सहित कई आला अधिकारी नियमित रूप से बैठते हैं।

इसके बावजूद उनकी मौजूदगी में कंपनी के नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह सब अधिकारियों की जानकारी और सहमति से हो रहा है या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई हैं। स्थानीय कर्मचारियों और क्षेत्रवासियों में इस मामले को लेकर नाराजगी देखी जा रही है।

दुर्घटना का बना रहता है अंदेशा, ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस कार्यकर्ता रहे मौजूद

खिरसाडोह बायपास में बैरिकेडिंग की मांग को लेकर थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

महादेव मेले के दौरान खिरसाडोह बायपास क्षेत्र में बढ़ती भीड़, अव्यवस्थित पार्किंग एवं लगातार बढ़ रहे दुर्घटना के खतरे को देखते हुए कांग्रेस कमेटी खिरसाडोह द्वारा पुलिस थाना परासिया में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिक डेहरिया के नेतृत्व में थाना प्रभारी को सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि शेरे पंजाब ढाबे से लेकर पॉलिटेक्निक कॉलेज तक प्रतिदिन अत्यधिक भीड़ एकत्रित हो रही है। महादेव मेले के कारण वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई है, वहीं ढाबे के सामने सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे मार्ग अवरुद्ध होता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उक्त मार्ग से प्रतिदिन पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र-छात्राएं आवागमन करते हैं, जिन्हें असुविधा एवं खतरे का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि कई बार शराब के नशे में कुछ लोग सड़क पर हुड़दंग करते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। तेज रफ्तार वाहन एवं अव्यवस्थित पार्किंग के कारण किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने मेला अवधि समाप्त होने तक उक्त स्थल पर पुलिस बैरिकेडिंग की व्यवस्था, नियमित पुलिस बल की तैनाती एवं सख्त यातायात जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके एवं शांति व्यवस्था बनी रहे। इस दौरान मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस समन्वयक बसन्त मालवी, कांग्रेस क्षेत्रीय अध्यक्ष राजा राय ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री बिट्टू डेहरिया, कांग्रेस क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिक डेहरिया, आकाश यदुवंशी, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष स्वप्निल कॉर्निया, ब्लॉक कामगार अध्यक्ष रामन ब्रह्ममें, मयंक यादव, सौरव ऊईके, जफर खान, परासिया नगर अध्यक्ष बीर बहादुर सिंह परासिया B.L.A प्रभारी. विवेक मिश्रा एवं एनएसयूआई परासिया के ब्लॉक अध्यक्ष आनन्द बेलवंशी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव के सेवक समिति भंडारे में प्रतिदिन हजारों लोग ग्रहण कर रहे प्रसाद

जुन्नारदेव। नगर की देव स्थलीय पहली पायरी जुन्नारदेव विशाला में सेवक समिति द्वारा 19 वर्षों से विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी कमल मदान एवं मित्र मंडली द्वारा विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन 2 से 3 हजार श्रद्धालु भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। आयोजक मंडल के कमल मदान में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए संपूर्ण भोजन जिसमें हलवा पूरी सब्जी कड़ी चावल रोटी गेहूं एवं मटके की सम्मिलित की गई है। श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम हेतु भंडारा स्थल पर ही व्यवस्था बनाई गई है। जुन्नारदेव विशाला में श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

नपा पीआईसी की बैठक संपन्न, महत्वपूर्ण मुद्दों पर बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

नगर पालिका परिषद की पीआईसी बैठक बुधवार 11 फरवरी को नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रस्तावित पांच प्रस्ताव पर प्रेसिडेंट इन काउंसिल की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में वार्ड क्रमांक 3 में 24 लाख की लागत से नाली निर्माण कार्य, नगरी क्षेत्र जलापूर्ति प्रणाली के अंतर्गत वितरण, पाइप लाइनों में आवश्यक मरम्मत, प्रतिस्थापना सुधार कार्य हेतु 39. 80 लाख की लागत से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया, मुख्यमंत्री शहरी आधु संरचना विकास योजना अंतर्गत बजट प्रावधान के संबंध में स्वीकृति, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025 26 हेतु लेखन पेंटिंग कार्य पुताई आदि हेतु 10 लख रुपए की न्यूनतम स्वीकृति, शासन के निर्देशानुसार निकाय क्षेत्र अंतर्गत एनिमल बर्थ कंट्रोल केंद्र एवं आश्रय स्थल के निर्माण हेतु भूमि चयन किए जाने पर सहमति बनी। उक्त बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा धुर्वे अध्यक्षीय परिषद में प्रस्ताव रखा जिसकी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में अपील समिति सदस्य सभापति संजय जैन, सभापति अमित यादव, सीमा चौरसिया, दीप्ति कांता साहू, नीता कुरालिया, लक्ष्मी चंद्रवंशी सहित नगर पालिका प्रशासन के समस्त कर्मचारी उपयंत्री अनुराग सरिया, लेखपाल धामू सोनी, मधु खादीपुरे, गणेश चौरसिया सहित सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

गन्तव्य तक सही दिशा बताने युवा मोर्चा ने लगाए पोस्टर

परासिया : भारतीय युवा मोर्चा से जुड़े युवाओं ने भगत सिंह चौक पर गन्तव्य तक पहुंचने सही दिशा बताने के लिए पोस्टर लगवाए । ताकि मेला जाने वाले भक्तों को भटकना न पड़े । महादेव महादेव मेला चालू है । पुल निर्माण भी चालू है । जिसके लिए मार्ग परिवर्तित किए गए हैं । स्थानीय लोगों को पता है , कहां से किधर जाना है ? लेकिन जो लोग बाहर से मेले के लिए आ रहे हैं , वे भटक रहे हैं । उनकी सुविधा के लिए जो काम प्रशासन को करना चाहिए था , वो काम समाज सेवी , जन प्रतिनिधि , विभिन्न राजनैतिक दलों के लोग कर रहे हैं ।

सड़कें भी दुरुस्त नहीं

छिंदवाड़ा से पिपरिया मुख्य मार्ग राज्य मार्ग में आता है । इसी मार्ग से पचमढ़ी - भूराभगत होकर महादेव जाते हैं । यह मार्ग मेला शुरू होने से पहले दुरुस्त हो जाना चाहिए था । सड़कों पर सांकेतिक बोर्ड लग जाना चाहिए था । गड्ढों की भराई हो जाना चाहिए था , लेकिन कुछ भी नहीं हुआ । शायद इस काम के लिए भी प्रशासन समाज सेवी , जन प्रतिनिधि , विभिन्न राजनैतिक दलों के लोगों से उम्मीद लगाए हुए है ।

जयस्तंभ चौक में शासकीय भूमि पर पार्किंग बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

अनेक नागरिकों ने जयस्तंभ चौक के करीब शासकीय भूमि पर पार्किंग बनाने संबंधी कलेक्टर के नाम का ज्ञापन तहसीलदार विनय प्रकाश ठाकुर को दिया। ज्ञापन में नागरिकों द्वारा बताया है कि जयस्तंभ चौक शहर के व्यस्ततम इलाकों में से एक है। यहां आवागमन के साथ साथ साप्ताहिक व्हेजिटेबल बाजार तथा दैनिक व्हेजिटेबल बाजार लगता है। पार्किंग का अभाव होने के कारण व्हेजिटेबल मार्केट में आनेवाले लोग अपने अपने वाहन मनमर्जी से सडकों पर या आजू बाजू में जहां जगह मिली वहां खडा कर अस्थायी अतिक्रमण करते है। इस प्रकार अस्तव्यस्त ढंग से रोजाना राहगीरों और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। सडकों पर आवागमन के लिए कम जगह उपलब्ध होने के कारण जयस्तंभ चौक पर कई बार दुर्घटनाएं घट चुकी है और ऐसी संभावनाएं हमेशा बनी रहती है। ज्ञापन में बताया गया है कि जयस्तंभ चौक से लेकर गुलाबराव लेंडे के मकान तक शासकीय भूमि है। इस शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण कर रखा है। इस शासकीय भूमि पर व्हेजिटेबल मार्केट में आनेवाले दैनंदीन ग्राहकों और साप्ताहिक बाजार के दिन आनेवाले लोगों की सुविधा हेतु पार्किंग व्यवस्था बनाई जाने की मांग ज्ञापन में की गई है।

शासकीय कॉलेज दमुआ में स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ अंतर्गत गैस सेफ्टी डिवाइस पर कार्यशाला आयोजित

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ अंतर्गत विद्यार्थियों को घरेलू एवं व्यावसायिक उपयोग में आने वाली गैस से संबंधित सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से "गैस सेफ्टी डिवाइस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गैस रिसाव से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा सुरक्षा उपकरणों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास के मार्गदर्शन में किया गया। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री नीरज कुमार सल्लाम एवं सह-समन्वयक श्रीमती सुषमा टांडेकर की विशेष उपस्थिति एवं निर्देशन में कार्यशाला संपन्न हुई।वक्ता मोहम्मद कैफ ने गैस सिलेंडर, रेगुलेटर एवं पाइप लाइन की नियमित जांच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गैस सेफ्टी डिवाइस जैसे ऑटो शट-ऑफ वाल्व एवं गैस लीकेज डिटेक्टर दुर्घटनाओं को रोकने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने गैस रिसाव की स्थिति में अपनाए जाने वाले सावधानियों एवं प्राथमिक उपायों की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।कार्यशाला के दौरान गैस सेफ्टी डिवाइस का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को इसकी कार्यप्रणाली समझाई गई। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सुरक्षा से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे तथा जानकारी प्राप्त की।महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एकतरफा मुकाबले में इटावा ने नागपूर को 168 रनों से हराया

आज फाईनल में इटावा का जबलपुर से होगा जंगी मुकाबला

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। स्थानीय देवधर मैदान पर बुधवार को खेले गए दूसरे सेमीफाईनल मैच में इटावा ने नागपूर को एकतरफा मुकाबले में 168 रनों से पराजित कर फाईनल में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार 12 फरवरी को इटावा का मुकाबला जबलपुर की टीम के साथ होगा। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार इटावा के आलराऊंडर सत्यम सांगे को दिया गया। जिन्होंने पहले तो बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में 41 रन की पारी खेली और बाद में गेंदबाजी करते हुए नागपूर की टीम को तहस नहस करते हुए 4 ओवर में मात्र 24 रन देकर नागपूर के 4 विकेट झटके।

सेमीफाईनल मैच में अतिथि के रुप में भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत, अधिवक्ता राजेन्द्र कोहाड़, आरएसएस जिला संचालक वैभव कश्यप, विधानसभा प्रभारी भाजपा जितेन्द्र मोहारे, वरिष्ठ पत्रकार आनंद वर्मा, सुधीर शर्मा, विशाल गोखले, आदित्य अग्रवाल, भैयू अग्रवाल, श्याम बोकड़े के साथ पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल, पत्रकार सोहन वैद्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मैच प्रारंभ होने के पहले अतिथियों ने नागपूर व इटावा की टीम के खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त किया। फिर राष्ट्र गान के बाद अतिथि के हस्ते टॉस किया गया। जिसमें इटावा के कप्तान सिद्धार्थ गुप्ता ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

कप्तान सिद्धार्थ गुप्ता द्वारा लिया गया यह फैसला शुरु के दो ओवरों में गलत लग रहा था, जब इटावा की टीम की पारी की शुरुआत में विशेक 4 रन व हर्ष त्यागी 10 रन के रुप में मात्र 18 रन में दो विकेट गिर गए। लेकिन उसके बाद मैदान पर सत्यम सांगू और उज्वल यादव ने रनों की जो बारिश प्रारंभ की, तो नागपूर के गेंदबाजों को सम्हलने का मौका नहीं मिला। सत्यम सांगू व उज्वल यादव ने मैदान के चारों ओर चौकोंव छक्कों की बरसात करते हुए शानदार 97 रनों की साझेदारी की। 115 रनों के योग पर इटावा का तीसरा विकेट सत्यम के रुप में गिरा, जिन्होंने 24 गेंदों में 4 चौके व 2 छक्के की मदद से शानदार 41 रन बनाए। उन्हें स्पिनर आकाश कांबे की गेंद पर प्रथम नागदिवे ने कैच आऊट किया। दूसरी ओर उज्वल लगातार अपनी धुँआधार पारी से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे थे। लेकिन वह भी कांबे की फिरकी की जाल में फॅस गए और आशुतोष सिंग को 154 के स्कोर पर कैच थमा बैठे। उज्वल ने मात्र 44 गेंदों में 8 गगनचुंबी छक्के व 5 चौकों की मदद से 81 रन बनाये।

एक समय जब लग रहा था कि नागपूर के गेंदबाज इटावा के बल्लेबाजों पर लगाम कस लेंगे, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज अर्जुन त्यागी व दिव्यांश राजपूत ने शानदार साझेदारी करते हुए मात्र 3.4 ओवर में 52 रन बना लिए। इटावा का 5 वॉ विकेट 206 रन पर अर्जुन त्यागी के रुप में गिरा। जिन्होंने 17 गेंदों में 3 छक्के व 3 चौकों की मदद से 31 रन बनाये। अंत में दिव्यांश राजपूत 14 गेंद में 5 चौकों व एक छक्के की मदद से नाबाद 34 रन और सिद्धार्थ गुप्ता ने 4 गेंद में एक चौके व एक छक्के की मदद से नाबाद 12 रन बनाकर इटावा का स्कोर 228 रनों तक पहुँचा दिया। दोनों बल्लेबाजों ने अंतिम 7 गेंदों में 22 रन बनाये।

नागपुर की ओर से आकाश कोम्बे सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। देवांश पटेल ने 4 ओवर में 44 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। आशुतोष सिंह ने 4 ओवर में 35 रन देकर एक विकेट, प्रथम नागदिवे ने एक ओवर में 15 रन और रॉबिन सिंह सबसे मॅहगे गेंदबाज साबित हुए, जिन्होंने 3 ओवर में 50 रन दिए।

इटावा ने नागपूर को जीत के लिए 229 रनों का लक्ष्य दिया। लेकिन नागपूर की पूरी टीम इटावा के गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। नागपूर की पारी की पहली गेंद से ही विकेट गिरने का जो सिलसिला शुरु हुआ, तो 12 ओवर समाप्त होते तक नागपूर की पूरी पारी 60 रनों पर सिमट गई और उन्हें 168 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

नागपूर की पारी की पहली गेंद पर सलामी बल्लेबाज राबिन सिंह शून्य व दूसरी गेंद पर अयान मेश्राम शून्य पर आऊट हो गए। दोनों विकेट नवनीत कुमार ने लिये। पारी के दूसरे ओवर की पहली गेंद पर सिद्धार्थ गुप्ता ने तुषार काडु को एक रन पर चलता कर दिया। तीसरे ओवर की 5 वीं गेंद पर पीयूष नेवारे भी 4 रन बनाकर सिद्धार्थ गुप्ता की गेंद पर युवराज सिंह नागर द्वारा लपक लिये गए और 14 रन पर नागपूर के 4 विकेट गिर गए। उसके बाद कुछ देर के लिए विकेटों का पतन रुका। लेकिन फिर अर्जुन त्यागी ने पीथम नागदिवे को 12 रन पर रन आऊट कर खेल का रोमांच ही समाप्त कर दिया। नागपूर के 6.3 ओवर में मात्र 31 रनों पर 6 विकेट गिरने के बाद मुकाबला एकतरफा हो गया।

लगातार गिरते हुए विकेटों के बीच ऋषिकेश पंवार की कुछ देर तक इटावा के गेंदबाजों का सामना करते रहे। लेकिन उनको दूसरे छोर से किसी भी बल्लेबाज का सहयोग नहीं मिला। 31 रन पर पीथम का विकेट गिरने के बाद दूसरी ही बाल पर भूपेन्द्र सिंग ने अमन खान का रिटर्न कैच लेकर उसे भी पेवेलियन भेज दिया। 33 रन पर सत्यम सांगू की गेंद पर उज्वल यादव द्वारा कप्तान आकाश कोम्बे का कैच लपक कर नागपूर का 7 वॉ विकेट गिरा दिया। इसके बाद सत्यम सांगू ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए अमन हुसैन को 2 रन पर अर्जुन त्यागी के हाथों कैच आऊट करवा दिया। इसके एक गेंद बाद ही सत्यम ने आशुतोष सिंह को शून्य पर उज्वल यादव के हाथों 37 रनों के स्कोर पर कैच आऊट करवाया। नागपूर का 9 वॉ विकेट गिरने के बाद ऋषिकेश पंवार ने देवांश पटेल के साथ 23 रनों की साझेदारी निभाते हुए नागपूर के स्कोर को 60 रनों तक ले गया, लेकिन अंततः वह भी सत्यम सांगू की 12 वें ओवर की अंतिम गेंद पर अपना नियंत्रण खो बैठे और उज्वल यादव को कैच थमा बैठे। जिससे नागपूर की पूरी पारी 12 ओवर में 60 रनों पर समाप्त हो गई।इटावा की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करने वाले सत्यम सांगू ने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं नवनीत कुमार ने 2 ओवर में 7 रन देकर 2 विकेट, कप्तान सिद्धार्थ गुप्ता ने 2 ओवर में 7 रन देकर 2 विकेट, युवराज सिंह नागर ने एक ओवर में 6 रन, भूपेन्द्र सिंह ने 1 ओवर में 2 रन देकर एक विकेट और हर्ष त्यागी ने 2 ओवर में 11 रन दिए।

श्रीराम कथा में श्रद्धालु भक्तों का उमड़ रही भीड

बालाघाट। शहर के मध्य में देवी तालाब के किनारे स्थित श्री शिव सांई मंदिर परिसर में मन्नत भंडारा समिति के तत्वाधान में 09 से 17 फरवरी,2026 तक श्रीराम कथा व श्रीराम दरबार प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें 09 फरवरी दिन सोमवार को श्रीराम दरबार प्रतिमा का नगरभ्रमण किया गया। दूसरे दिन मंगलवार 10 फरवरी को प्रातः पुराण व पूजन मंडलों की स्थापना व दोपहर से मंगलाचरण व सप्त श्लोक वंदना के साथ रामकथा का प्रारंभ किया गया, सायंकालिन बेला में श्रीराम दरबार प्रतिमा का मंत्रोचार के साथ जलाधिवास उपस्थित श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति में किया गया। तीसरे दिन 11 फरवरी बुधवार को प्रातः पूजन के साथ श्रीराम कथा का मूल पाठन व दोपहर 03 बजे से श्रीराम कथा में नारद मोह व राम अवतार का हेतु कथा का व्यास पीठ से पं. परिणित कृष्ण दुबे जी द्वारा सरल शब्दों में संगीतमय भजनों के साथ वाचन व प्रवचन किया गया व सायं कथा पश्चात श्री राम दरबार प्रतिमा का अन्नाधिवास किया गया।

जल जंगल और जमीन को बचाए रखने के लिए जन आंदोलन

आज उकवा में विशाल आंदोलन प्रदर्शन चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज उकवा। जनपद पंचायत बैहर के अंतर्गत ग्राम पंचायत दलदला के ग्राम नया टोला में जल जंगल और जमीन को लेकर ग्राम सभा रखी गई जिसमें श्री संजय उईके विधायक बैहर श्री दलसिंह पंद्रे सभापति जिला पंचायत बालाघाट श्री मंसाराम मडावी जिला पंचायत सदस्य शिशुपाल तेकाम सरपंच दलदला ध्रुपकिशोर मरावी की उपस्थिति में ग्राम सभा आयोजित की गई जिसमे विधायक श्री संजय उईके के द्वारा बताया गया कि 12 फरवरी 2026 दिन गुरुवार को सुबह 11:00 से रेंज ऑफिस उकवा चौक में विशाल जन आंदोलन (चक्का जाम) किया जाएगा । जिसमें क्षेत्रीय नागरिक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के संयुक्त तत्वाधान में अपने संवैधानिक अधिकार जल जंगल जमीन एवं प्राकृतिक संसाधनों के लिए और शासन प्रशासन की दोहरी नीति के विरुद्ध विशाल जन आंदोलन (चक्का जाम) किया जा रहा है । हमारे संवैधानिक अधिकार पेसा एक्ट 1996 नियम 2022 का नियम 27 के अनुसार प्रत्येक ग्राम सभाओ को वन संसाधन सीएफआरआर के अधिकार दिए जाने प्रस्तावित खनन क्षेत्र के ग्राम लूद, हिर्री, कोगेवानी, बांहनी, हर्रानाला,घोन्दी,लौगुर,पोला,कंदइ एवं अन्य 27 ग्रामों को पोटेंशियल संभावित ग्राम के रूप में चयन कर वन अधिकार पट्टा देने की बात कही जा रही है, और उक्त ग्रामों के वन क्षेत्र पचामा दादर बॉक्साइट ब्लॉक खनन की स्वीकृति व जनसुनवाई करने की तिथि निर्धारित करना वन अधिकार मान्यता कानून 2006 की धारा 4(5)के अनुसार विधि संगत नहीं है नियम विरुद्ध है । इसलिए शासन प्रशासन से हमारी मांगे हैं की वैधानिक और संवैधानिक अधिकारों के अनुसार हमारे प्राकृतिक संसाधन विस्तार धार्मिक मान्यताओं जल जंगल जमीन का अधिकार ग्राम सभा को देना सुनिश्चित करने के बाद ग्राम सभा की पूर्ण सहमति से प्रस्तावित बॉक्साइट ब्लॉक खनन कार्रवाई प्रक्रिया लोक/ जनसुनवाई किया जावे तथा हमारे संविधान की पांचवी अनुसूची अनुच्छेद 244 (1) के तहत अनुसूचित क्षेत्र में हो रहे वनों की विनाशकारी कटाई एवं सागवान वृक्ष रोपण खनिज उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया जाए ताकि शुद्ध जल वायु पर्यावरण मृदासंरक्षण तथा जैव विविधता को बचाया जा सके । अगर हमारी मांगे पूरी नहीं की जाती है तो जन आंदोलन के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा ।

दिव्यांग के लिए निर्मम बना राजस्व विभाग, 100 बार पेशी आने के बाद भी नहीं हुआ निराकरण

ग्राम दुल्हापुर के ईश्वर बरगइया के मामले में निरीक्षण बिना कार्यवाही, पूर्व विधायक किशोर समरिते ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी।

बालाघाट जिले के लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दुल्हापुर में एक दिव्यांग युवक और उसके परिवार से जुड़ा राजस्व विवाद अब प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर रहा है। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरिते ने जारी बयान में आरोप लगाया है कि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी में लंबित प्रकरण में दिव्यांग युवक ईश्वर बरगइया को बार-बार पेशी पर बुलाया जा रहा है, जबकि अब तक मौके का किसी भी राजस्व अधिकारी द्वारा निरीक्षण तक नहीं किया गया। प्रकरण उर्वशी पति सावालाल बरगइया एवं सुखदेव पिता हिरदेलाल बरगइया के मकान के हिस्से को तोड़े जाने से संबंधित बताया गया है, जो वर्तमान में एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि दिव्यांग ईश्वर बरगइया को लगभग 100 बार ए स डी ए म कार्यालय बुलाया गया, जहां वह अपनी वृद्ध मां उर्वशी और छोटी बहन गीता के सहारे पेशी में पहुंचता रहा। श्री समरिते ने यह भी कहा कि एक ही प्रकरण में पटवारी द्वारा अलग-अलग लगभग 20 पंचनामे तैयार किए गए, जो राजस्व प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। उनका आरोप है कि अब तक किसी सक्षम राजस्व अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का गंभीरता से परीक्षण नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की बात करती है, किंतु जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।

कलेक्टर द्वारा चलाए गए राजस्व अभियान एवं "संकल्प से समाधान" अभियान के बावजूद संबंधित परिवार को राहत नहीं मिल पाना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। बताया गया है कि ईश्वर बरगइया शिक्षित होने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर हैं और रोजगार की आवश्यकता है। ऐसे में लगातार पेशियों से परिवार पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ रहा है। पूर्व विधायक श्री समरिते ने मांग की है कि प्रकरण का शीघ्र एवं निष्पक्ष निराकरण कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए, ताकि शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास पुनः स्थापित हो सके।

खबर संक्षेप

कांग्रेस की अति आवश्यक संगठनात्मक बैठक आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा 12 फरवरी 2026, दिन गुरूवार को दोपहर 12 बजे, जिला समन्वय समिति एवं दोपहर 1.30 बजे से जिले के समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अन्तर्गत आने वाले सभी मंडलम कांग्रेस अध्यक्ष गण व कांग्रेस संगठन के मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं विभाग अध्यक्षो की अति आवश्यक संगठनात्मक बैठक कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी इंदिरा भवन सिवनी में आहूत की गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षो से अनुरोध किया है कि ब्लॉक कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित मंडलम कांग्रेस के अध्यक्ष एवं पंचायत स्तर पर गठित की गई पंचायत कांग्रेस कमेटियों की सूची अनिवार्य रूप से बैठक में जमा कराये ताकि मंडलम कांग्रेस अध्यक्ष एवं पंचायत कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों की नियुक्ति की स्वीकृति हेतु सूची मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजी जा सके।

जर्जर शौचालय की दीवार गिरने से चौथी कक्षा का छात्र गंभीर, नागपुर रेफर

सिवनी/कुरई/कुडोडोबरी: कुरई विकासखंड अंतर्गत संकुल केंद्र चक्कीखमरिया की प्राथमिक शाला कुडोडोबरी में जर्जर स्कूल भवन और शौचालय व्यवस्था बच्चों की जान पर भारी पड़ रही है। गत दिवस लघु अवकाश के दौरान शौचालय की जर्जर दीवार गिरने से कक्षा चौथी का छात्र अयांश धुर्वे (10 वर्ष), पिता राजेंद्र धुर्वे, गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद शिक्षिकाओं और ग्रामीणों की मदद से बालक को पहले सामुदायिक उप स्वास्थ्य केंद्र ग्वारी ले जाया गया, जहां से जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर किया गया। वहां उचित उपचार न मिलने पर परिजन उसे निजी अस्पताल होते हुए नागपुर ले गए, जहां पेट में खून जमा होने के कारण ऑपरेशन की बात कही जा रही है। विद्यालय में मात्र 14 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और दो शिक्षिकाएं पदस्थ हैं। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय भवन, शौचालय एवं बाउंड्री वॉल पिछले पांच वर्षों से जर्जर अवस्था में हैं। बरसात के समय स्कूल परिसर में पानी भर जाता है और कमरों की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं। इस संबंध में कई बार अधिकारियों को आवेदन दिए गए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नवीन बालिका शौचालय निर्माण के लिए राशि तो स्वीकृत कर दी गई, लेकिन पुराने शौचालय को आधा तोडक़र छोड़ दिया गया। इसी अधूरे निर्माण की दीवार गिरने से हादसा हुआ। आरोप यह भी है कि पीटीए अध्यक्ष स्वयं ठेकेदार एवं मिस्त्री बनकर निर्माण कार्य करा रहे थे। हादसे के एक सप्ताह बाद तक कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों द्वारा फोन पर जानकारी देने के बाद एक सप्ताह पश्चात बीआरसी, जनशिक्षक एवं इंजीनियर विद्यालय पहुंचे। हादसे के दो दिन बाद बच्चों की कक्षाएं गांव के एक मकान में अस्थायी रूप से संचालित की जा रही हैं।

जनपद उपाध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने बीआरसी प्रभु दयाल नाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे शिक्षकों को अनावश्यक रूप से परेशान करते हैं, जिसकी लिखित शिकायत की गई है। सरपंच प्रतिनिधि लेखराम मर्सकोले ने बताया कि पूर्व में ही भवन को ध्वस्त करने का प्रस्ताव पारित कर बच्चों को वहां न बैठाने की बात कही गई थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। बीआरसी प्रभु दयाल नाग ने कहा कि बालक के उपचार डॉ, महेंद्र ओगर के बाद नागपुर इलाज के लिए पहुंचाया गया।बच्चा एकदम स्वस्थ है । भवन निर्माण हेतु पत्राचार किया गया है, किंतु अब तक राशि आवंटित नहीं हो पाई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार पति-पत्नी की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज कुरई।

कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरवानी से तिरोड़ी मार्ग पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। पिपरवानी से लगभग दो किलोमीटर दूर नाले के ऊपर अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी (एक्टिवा) सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सुबह लगभग 11 बजे की है। राहगीरों व ग्रामीणों ने हादसे की सूचना तत्काल पुलिस को दी। समाजसेवी गौतम मिश्रा ने बताया कि मृतकों की पहचान मोबाइल व आधार कार्ड के माध्यम से अशोक उईके एवं उनकी पत्नी सुनीता उईके, निवासी तिरोड़ी, उम्र लगभग 45 वर्ष के रूप में की गई है। सूचना मिलने पर एंबुलेंस की सहायता से दोनों को कुरई अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कुरई पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन की तलाश एवं जांच में जुट गई है।

दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर, ट्रक चालक गंभीर

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

जिले के नेशनल हाईवे-44 पर मड़ई घाटी के पास गत बुधवार सुबह लगभग 9 बजे दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा में भर्ती कराया गया है। घायल चालक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार, एक ट्रक लखनादौन से सिवनी की ओर आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रक छपारा से लखनादौन की दिशा में जा रहा था। मड़ई घाटी के समीप पहुंचते ही दोनों वाहन किसी अज्ञात कारण से आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।राहगीरों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया

घटना के तुरंत बाद, आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने छपारा पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के कारण नेशनल हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया, जिससे जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक, मड़ई घाटी का यह क्षेत्र काफी व्यस्त रहता है, जहां दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। घाटी क्षेत्र होने के कारण यहां वाहन चालकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यदि हादसे के समय अधिक वाहन या लोग मौजूद होते, तो दुर्घटना और भी गंभीर हो सकती थी। वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने की सलाह छपारा थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवर ने बताया कि उन्हें सडक़ दुर्घटना में एक ट्रक चालक के घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस की ओर से दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वाहन चालकों को लगातार सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी जाती है, लेकिन कई बार लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण ऐसी घटनाएं होती हैं।पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं। इससे सडक़ हादसों को कम करने में मदद मिलेगी और सभी सुरक्षित रहेंगे।

सफारी का आनंद ले रहे पर्यटकों को जंगल की बाघिन टी-20 अपने शिकार को मुंह में दबाए सड़क पार करती दिखी

सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में सफारी का आनंद ले रहे पर्यटकों को जंगल की वरिष्ठ बाघिन टी-20 अपने शिकार को मुंह में दबाए सड़क पार करती दिखी।

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

बुधवार को कर्माझिरी रेंज के पर्यटन क्षेत्र में हुए इस दुर्लभ दीदार ने वन्यजीव प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। बाघिन पी.एन. 20 की उम्र लगभग 17 वर्ष 7 माह हो चुकी है, जो बाघों की औसत आयु के लिहाज से काफी अधिक है। आगे के एक पंजे में समस्या होने के कारण यह बाघिन थोड़ा लंगड़ा कर चलती है, इसीलिए यह पर्यटकों के बीच 'लंगड़ी बाघिन' के नाम से बेहद लोकप्रिय है।

शारीरिक चुनौती और अधिक उम्र के बावजूद इस बाघिन का शिकार करना और जंगल में सक्रिय रहना इसकी जीवटता को दर्शाता है।

वीडियो में दिखा बाघिन का दबदबा

पूरी घटना का पर्यटकों ने वीडियो बना लिया। उसमें दिखाई दे रहा है कि बाघिन घने जंगल से निकलती है और अपने शिकार को मजबूती से मुंह में दबाकर शांति के साथ पर्यटकों की जिप्सी के सामने से सड़क पार कर दूसरी ओर चली जाती है।

पेंच की जैव विविधता का प्रतीक: बता दें कि, पेंच टाइगर रिजर्व न केवल बाघों बल्कि चीतल, सांभर, नीलगाय, और सुस्त भालू जैसे जीवों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां मिलने वाली दूधराज और विभिन्न गिद्ध प्रजातियां इसकी जैव विविधता को और खास बनाती हैं। 'लंगड़ी बाघिन' का यह ताजा वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि पेंच वन्यजीव प्रेमियों के लिए देश-विदेश में आकर्षण का केंद्र क्यों बना हुआ है।

पंचवटी से सुनवारा जाने वाले मार्ग पर ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

सिवनी जिले के पंचवटी से सुनवारा रोड पर आज उस वक्त जाम की स्थिति निर्मित हो गई , जब ग्राम पायली के ग्रामीणों ने पानी की गंभीर किल्लत को लेकर सुनवारा रोड पर चक्का जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार लखनादौन जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जोगीगुफा के ग्राम पायली में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है, जिससे आक्रोशित करीब 100 से अधिक ग्रामीण—जिनमें बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी शामिल रहीं—पंचवटी चौराहा से सुनवारा जाने वाले मार्ग पर धरने पर बैठ गए। ओर जमकर नारेबाजी करने लगे। जिससे चक्का जाम की स्थिति बन गई,जिसके कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर डायल 112, सरपंच और सचिव पहुंचे। अधिकारियों द्वारा समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने चक्का जाम समाप्त किया। गौरतलब है कि इससे पहले भी जनसुनवाई में जकर ग्रामीण सिवनी कलेक्टर के समक्ष जनसुनवाई में भी अपनी समस्या रख चुके हैं। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मालती मुकेश डेहरिया ने मौके का आधिकारिक दौरा कर त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया था, जिसके तहत दौरा कार्यक्रम भी तय किया गया था। उसके बावजूद भी आज दिनांक तक ग्रामीणों को राहत नहीं मिल सकी जिससे परेशान होकर चक्का जाम किया फिलहाल प्रशासन के आश्वासन के बाद यातायात बहाल कर दिया गया है, लेकिन ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति समारोह 16 फरवरी को सुभद्रा स्मारक कलबोड़ी में आयोजित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान जी का स्मृति समारोह इस वर्ष दिनांक 16 फरवरी 2026 दिन सोमवार को दोपहर 1:00 से सिवनी से नागपुर मार्ग पर स्थित सुभद्रा स्मारक कलबोड़ी में आयोजित किया जाएगा। यहां विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सुभद्रा कुमारी चौहान जी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष सुभद्रा स्मृति समारोह के रूप में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। चूंकि इस वर्ष 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व आ रहा है इसीलिए इस वर्ष यह कार्यक्रम 15 फरवरी के स्थान पर दिनांक 16 फरवरी दिन सोमवार को दोपहर 1 बजे से आयोजित किया जाएगा। सुभद्रा स्मृति कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्रद्धांजलि अर्पित की जावेगी तत्पश्चात स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। अंत में उपस्थित कवि गणों के द्वारा काव्यांजलि प्रस्तुत की जावेगी। उक्ताशय की जानकारी देते हुए सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति मंच के अध्यक्ष मोहन सिंह चंदेल एवं ग्राम पंचायत कलबोड़ी के सरपंच नरेश टेकाम ने समस्त नागरिक बंधुओं एवं समस्त साहित्य प्रेमियों से इस अवसर पर उपस्थित की अपील की है।

सेक्टर स्तरीय बैठक: सामुदायिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुधार की एक पहल

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

जन अभियान परिषद के तत्वावधान में सौरभ शुक्ला के कुशल निर्देशन एवं विकास खंड समन्वयक अनिल चौरे के मार्गदर्शन में, विकास खंड छपारा के सेक्टर क्रमांक 01 में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक सेक्टर स्तरीय बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक की मेजबानी नवांकुर संस्था ओजस्विनी आत्म-निर्भर महिला मंडल सोसाइटी द्वारा की गई। कार्यक्रम में सेक्टर की पांचों प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों, सक्रिय सदस्यों सहित सीएमसीएलडीपी के ऊर्जावान छात्रों एवं मेंटर्स ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य एवं चर्चा के बिंदु

आदरणीय सौरभ शुक्ला जी ने बैठक के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए समितियों को उनके लक्ष्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निम्नलिखित पांच स्तंभों पर विशेष बल दिया।

स्वच्छता अभियान: केवल अपने घर तक सीमित न रहकर पूरे गांव और क्षेत्र को कचरा मुक्त बनाने और स्वच्छता को संस्कार के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी गई।

पर्यावरण संरक्षण: आगामी समय में सघन वृक्षारोपण करने और मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

जल संरक्षण: गिरते भूजल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्षा जल संचयन और जल की बर्बादी रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विदेशी उत्पादों के बजाय स्वदेशी और हस्तशिल्प वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया गया। समाज को खोखला कर रही नशे की लत के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाने और युवाओं को इससे दूर रखने के लिए रणनीतियां बनाई गईं।

विस्तृत संवाद एवं मार्गदर्शन

बैठक के दौरान शुक्ला ने इन विषयों के व्यावहारिक पक्ष, उनके उपयोग और दुरुपयोग के परिणामों के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि समितियों की सक्रियता ही ग्रामीण विकास की असली धुरी है। सभी सदस्यों ने इन संकल्पों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने का भरोसा दिलाया।

सत्र के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक चर्चा के माध्यम से भविष्य की कार्ययोजना तैयार की। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में स्वल्पाहार एवं चाय के साथ हुआ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिकअप चालक घायल, वाहन चालक फरार

सिवनी। जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कामता ग्राम के समीप रात्रि एक सडक़ हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने पिकअप वाहन को टक्कर मार दी, जिससे पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन रात्रि के समय कामता ग्राम के समीप से गुजर रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन क्षतिग्रस्त और चालक को गंभीर चोटें आईं। घायल चालक को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद टक्कर मारने वाला वाहन बिना रुके मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जानकारी जुटाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, ताकि फरार वाहन और उसके चालक का पता लगाया जा सके। जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई, वहां दिन-रात वाहनों और लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। गनीमत रही कि हादसे के समय सडक़ पर अधिक भीड़ या अन्य वाहन मौजूद नहीं थे, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस का कहना है कि लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण ही अधिकांश सडक़ हादसे हो रहे हैं। लगातार जागरूकता के बावजूद लोग नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिसके कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है।

महाशिवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन 13 से

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

देवाधिदेव महादेव नंदी पर सवार होकर अपनी बारात में देवता-भूत-पिचाश-बाराती के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे इस शिव बारात की अगुवाई में जिला के आला अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक सभी समाजसेवी-धार्मिक संगठन, शैलादल, नर्तक दल शामिल होंगे।

श्री मठ महाकाल समिति द्वारा इस वर्ष महाशिवरात्रि पर्व भव्य महाशिवनवरात्रि के रूप में मनाया जा रहा जो प्रारंभ हो चुका है इस हेतु ऐतिहासिक अतिप्राचीन मठ मन्दिर को नयनाभिराम विद्युतछटा के साथ सुसज्जित किया गया है, ढोल-नगाड़ा,गाजे-बाजे के साथ संध्यारती रात्रि में भूतभावन भोलेनाथ का रोजाना भव्य श्रंगार किया जा रहा है, मन्दिर के खेत मे प्रदर्शनी मेला लगाया गया है, जिसमे मनोरंजन के लिए विभिन्न किस्म के झूले, खाने के लिए ढेरो व्यंजन, खरीदारी के लिए स्टाल, और भी बहुत कुछ इस प्रदर्शनी मेला में है। मठ प्रांगण में भव्य मंच बनाया गया है जिसमे रोजाना रात्रि में अलग अलग गायकों द्वारा भजन-जागरण का कार्यक्रम होगा।

आयोजन समिति के सदन कश्यप ने बताया कि इस महाशिवनवरात्रि के 03 दिन विशेष आयोजन मन्दिर में आयोजित किये जावेंगे, शुक्रवार 13 फरवरी को हल्दी-संगीत, शनिवार 14 फरवरी को मेहंदी-संगीत तथा महापर्व शिवरात्रि के दिन शिव बारात और प्रतीकात्मक शिव-पार्वती विवाह और महा प्रसाद भंडाराआयोजित होगा जिसमे समस्त नगरवासियो को आमंत्रित किया जा रहा है।

MPRDA की सड़क पर लापरवाही के आरोप, बढ़ रहीं दुर्घटनाएँ

मुंगवानी में निर्माणाधीन सड़क बनी राहगीरों के लिए आफत

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

नगर मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर अमरवाड़ा मार्ग पर स्थित ग्राम मुंगवानी कलाँ में मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण (MPRDA) के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति, गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवाल और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार उक्त मार्ग के निर्माण का ठेका उदित इंफ्रावर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड, रीवा को दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। विशेष रूप से सड़क में डाली जा रही लोहे की सरिया (रीइन्फोर्समेंट) की मात्रा अत्यंत कम बताई जा रही है, जिससे सड़क की मजबूती और दीर्घकालिक टिकाऊपन पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया गया तो कुछ ही समय में सड़क जर्जर हो सकती है।वर्तमान स्थिति यह है कि मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, कई स्थानों पर सड़क की सतह उखड़ी हुई है और निर्माण सामग्री खुले में बिखरी पड़ी है। सबसे गंभीर बात यह है कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग या रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए हैं, जिससे रात्रि के समय वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों और स्कूली बच्चों के लिए यह मार्ग विशेष रूप से जोखिमभरा हो गया है।

यह सड़क मुंगवानी खुर्द से जाम होते हुए अमरवाड़ा तक जाती है तथा मारबोड़ी, चंदौरी और बखारी ग्राम सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों का आवागमन इसी मार्ग से होता है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग कामकाज, शिक्षा और आवश्यक सेवाओं के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। ऐसे में अधूरा और असुरक्षित निर्माण कार्य आमजन के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गुणवत्ता की तकनीकी जांच नहीं कराई गई और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी एवं गुणवत्ता जांच कराई जाए, मानक अनुसार सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, निर्माण स्थल पर आवश्यक सुरक्षा संकेत लगाए जाएं तथा कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। साथ ही दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई की भी मांग की गई है।

संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा विजेता, सिवनी उपविजेता

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

महिला और पुरुष वर्ग की छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय की टीमों का हुआ चयन

मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में संभाग स्तरीय पिट्ठू (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ. प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अंतर्गत छिंदवाड़ा, बालाघाट, पाण्डुर्ना तथा सिवनी जिले के खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया. फाइनल मुकाबला छिंदवाड़ा एवं सिवनी के बीच खेला गया, जिसमें रोमांचक प्रतिस्पर्धा के बाद छिंदवाड़ा ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सिवनी की टीम उपविजेता रही. प्रतियोगिता के आधार पर पुरुष एवं महिला वर्ग में छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की पिट्ठू टीमों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया.

प्रतियोगिता का शुभारंभ जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अजय बाबा पांडेय तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने किया. इस अवसर पर डॉ. मानसिंह बघेल, डॉ. पी.एल. सनोडिया, डॉ. पवन वासनिक एवं प्रो. के.के. बरमैया विशेष रूप से उपस्थित रहे. प्रतियोगिता के सफल संचालन में डॉ. सोहन धुर्वे, डॉ. प्रदीप पटवारी एवं डॉ. विकास साहू का महत्वपूर्ण योगदान रहा. खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए वरिष्ठ खेल अधिकारी अर्चना पाठक, डॉ. कमलेश टेम्भरे, डॉ. टी.पी. सागर, डॉ. कादिर खान, डॉ. सपन जाट, डॉ. जसवंत सिंह राजपूत, डॉ. लेखराम डहेरिया, उमाशंकर वर्मा, डॉ. सौरभ सोनी, मनीष परिहार, सुधीर डेहरिया, शिवानी साहू सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा.

सीमेंटीकरण की वजह से दरारें, उन्हें छिपाने के लिए अब डामर बिछाया

ओवरब्रिज : घटिया कार्य, सीमेंट पर डामरीकरण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के नए सरेखा ओवरब्रिज की क्वालिटी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सितंबर 2025 में खुले इस पुल की सतह में कमियां मिलने के बाद अब वहां डामरीकरण का काम चल रहा है, जिस पर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने कड़ा ऐतराज जताया है।

बुधवार को ओवरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने काम को तुरंत रोकने की मांग की। उनका कहना है कि घटिया सीमेंटीकरण की वजह से जो दरारें आई थीं, उन्हें छिपाने के लिए अब डामर बिछाया जा रहा है।

मुंजारे के अनुसार, सीमेंट की सतह पर सीधे डामर डालने का कोई तकनीकी आधार नहीं है और भारी वाहनों के दबाव से यह जल्द ही उखड़ जाएगा।

मुंजारे ने मौके पर किसी जिम्मेदार अधिकारी के न होने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि काम केवल सुपरवाइजर के भरोसे चल रहा है, जिससे क्वालिटी की जांच नहीं हो पा रही है। उन्होंने डामरीकरण में इस्तेमाल हो रहे काले तेल की गुणवत्ता को भी बेहद निम्न बताया और कहा कि यह सतह पर ठीक से पकड़ ही नहीं बना रहा है।

पूर्व सांसद ने इस मामले की शिकायत शासन से करने और चीफ टेक्निकल एग्जामिनर से जांच कराने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार और खराब निर्माण के खिलाफ वे हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। फिलहाल पुल पर चल रहे इस काम ने निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भरवेली में एसआईआर के तहत मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटे जाने पर पुलिस में शिकायत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर ग्राम भरवेली में एसआईआर (Special Intensive Revision) प्रक्रिया के दौरान कथित रूप से साजिशपूर्वक मुस्लिम महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में प्रभावित महिला मतदाताओं ने पंच सुशील सुलके एवं डॉ. खुमेश्वर नगपुरे के खिलाफ थाना भरवेली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत की प्रति पुलिस अधीक्षक बालाघाट को भी प्रेषित की गई है।

शिकायतकर्ता महिलाओं का आरोप है कि वे वर्षों से भरवेली में निवास कर रही हैं तथा उनकी दो पीढ़ियां यहीं पली-बढ़ी हैं। इसके बावजूद नई मतदाता सूची में उनके नाम हटाए जाने को वे एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा बता रही हैं। उनका कहना है कि फार्म-7 के माध्यम से झूठे आवेदन प्रस्तुत कर उन्हें भारत का नागरिक न बताते हुए "बाहरी" प्रचारित किया जा रहा है, जिससे उनकी सामाजिक छवि धूमिल हुई है और गांव का माहौल भी प्रभावित हुआ है।

महिलाओं ने आरोप लगाया कि इस कृत्य का उद्देश्य दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाना और गांव की शांति व सद्भाव को बिगाड़ना है। उन्होंने मांग की है कि यदि समय रहते दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो ऐसे तत्वों के हौसले और बढ़ेंगे।

शिकायत पत्र में मुस्कान खान, रानू, रूबिना खान, हमीदा बी, वफाद बी, जुलेखा बी, सलीम शेख, नर्गिस खान, नसीम बी, ताहेरा बी, शमसुन निशा, शाहरुख खान, फरजाना बी, खैरून निशा, हसीना बेगम, समीना खान, नाजर खान, महमूद खान, अजहर खान, फिरोज खान, असलम शेख, सोहेल शेख, नसीम शेख, ईरशाद शेख, आदिल शेख, रमजान शेख सहित अन्य नाम शामिल हैं। सभी ने एक स्वर में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व हीरापुर ग्राम पंचायत में भी 17 मुस्लिम मतदाताओं के नाम कटने का मामला सामने आया था। विवाद बढ़ने पर संबंधित पक्ष द्वारा क्षमा याचना के बाद मामला शांत हुआ था। भरवेली में उत्पन्न स्थिति को ग्रामीण उसी घटना से जोड़कर देख रहे हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन की जांच और आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

कृषि मेला के चौथे दिन "एक जिला–एक उत्पाद" अंतर्गत क्रेता-विक्रेता सेमीनार संपन्न

बालाघाट। कृषि विभाग द्वारा कमला नेहरू सामुदायिक भवन बालाघाट में 08 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित जिला स्तरीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी के चौथे दिन 11 फरवरी को "एक जिला–एक उत्पाद" (ODOP) योजना के अंतर्गत विशेष क्रेता-विक्रेता सेमीनार का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मोटे अनाज मिलेट्स—ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, कोदो, कुटकी की खेती और भोजन में उनके उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है।सेमीनार का आयोजन एमपीआईडीसी (MPIDC) के तत्वावधान में किया गया, जिसमें कार्यकारी निदेशक श्री अनिल कुमार राठौर (IAS) विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान बालाघाट जिले के प्रसिद्ध चिन्नौर धान के उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमीनार में चिन्नौर उत्पादक किसान, एफपीओ प्रतिनिधि तथा चावल व्यापारी भी शामिल हुए और बाजार में इसकी मांग बढ़ाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

बिना चिकित्सकीय योग्यता के एलोपैथी इलाज करने वाले फर्जी चिकित्सक पर एफआईआर के निर्देश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने किरनापुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वर्ष चौबे को बिना किसी वैध चिकित्सकीय योग्यता के एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का उपचार करने के मामले में किरनापुर स्थित "क्रिष क्लीनिक" के संचालक अपूर्बो कुमार सरकार के विरुद्ध किरनापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिये हैं। यह कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आकस्मिक जांच के बाद की गई है।

जिला चिकित्सालय बालाघाट की आरएमओ डॉ. सुषमा गोयल एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव करवते तथा सहायक सांख्यिकी अधिकारी डॉ. श्रद्धा सिंह, संगणक मो. अक्रम मंसूरी एवं सहायक ग्रेड-03 हेमंत बोहरे के दल द्वारा 10 फरवरी 2026 को कावरे चौक किरनापुर स्थित क्रिष क्लीनिक का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लीनिक संचालक अपूर्बो कुमार सरकार ने वर्ष 2020 में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल से डिप्लोमा इन फार्मेसी की योग्यता प्राप्त की है। उन्होंने इंडियन काउंसिल ऑफ अल्टरनेट मेडिसिन पश्चिम बंगाल से 1994 में आर.एम.पी. (रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर) का पंजीयन कराया है, जो एलोपैथिक चिकित्सा के लिए मान्य नहीं है। उनके

पास "मुस्कान फार्मेसी" के नाम से औषधि विक्रय का लाइसेंस तो उपलब्ध है, लेकिन यह केवल दवाओं की बिक्री के लिए है और चिकित्सा उपचार करने की अनुमति नहीं देता है। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक से बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाइयां तथा माइनर एवं मेजर सर्जरी से संबंधित उपकरण भी बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही सीलबंद कर जब्त कर दिया गया है।

दल द्वारा की गई जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि श्री अपूर्बो कुमार सरकार द्वारा बिना किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय अर्हता के एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का उपचार किया जा रहा था, जो मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 का उल्लंघन है तथा धारा 24 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। इस आधार पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के आदेश जारी किए गए हैं। प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वर्ष चौबे को अधिकृत किया गया है। विभाग द्वारा इस मामले में समुचित वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

पौनियां में जली हुई पैरा के राख के ढेर में मिली जली लाश

हरिभूमि न्यज कटंगी। बालाघाट जिले के कटंगी जनपद क्षेत्र के ग्राम पौनियां में बुधवार की दोपहर करीब 01 बजे के आस-पास एक खेत में एक दिन पहले जले पैरा (पशुचारा) के ढेर में अब जली हुई लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अज्ञात लाश करीब 99 फीसदी जलने के कारण मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। शाम करीब साढ़े 05 बजे जब फोरेंसिक टीम मौका स्थल पहुंची तब लाश किसी पुरूष की होने की पुष्टि हो पाई। वहीं शाम होने की वजह से आज शव का पीएम नहीं हो पाया। अब गुरूवार को शव का पीएम किया जाएगा। अज्ञात लाश को पुलिस ने शव विच्छेदन गृह में लाकर रखवा दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार नहलेसरा जलाशय की महदुली-पौनिया नहर के रास्ते में रेखचंद राहंगडाले के खेत में मंगलवार की सुबह पैरा के ढेर में आग लगी थी। बुधवार को मवेशी चराने गए रेखचंद के भतीजे कृष्ण कुमार ने पैरा के ढेर की राख से आवारा कुत्तों को लाश बाहर खींचते हुए देखा और घर जाकर सूचना दी। जिसके बाद रेखचंद राहंगडाले कुछ ग्रामीणों के साथ खेत पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई और धीरे-धीरे यह खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। जली हुई लाश मिलने की सूचना मिलने पर प्रभारी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी, कटंगी थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम, तिरोड़ी थाना प्रभारी कौशल कुमार सूर्या पुलिस बल के साथ मौका स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मरने वाले की शिनाख्त करने के लिए अपने-अपने थाना क्षेत्र में गुम इंसान की भी तफ्तीश की लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर दोनों ही थानों में किसी भी इंसान के गुम होने की शिकायत दर्ज नहीं हुई है। फोरेंसिक टीम में शामिल अधिकारी गौतमा मेश्राम और उनकी टीम ने डेड बॉडी के आस-पास घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया परंतु कोई ठोस जानकारी निकलकर सामने नहीं आई। जिससे यह स्पष्ट हो सके कि जो लाश मिली वह लाश खेत तक कैसे पहुंची।

गौरतलब हो जिस स्थान पर जली हुई लाश मिली है वहा ट्रैक्टर, पिक-अप जैसे वाहन के अलावा बैलगाड़ी और दोपहिया वाहनों का ही आसानी से आना-जाना हो सकता है। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी ने लाश को रेखचंद के खेत में लाकर पैरा के ढेर में फेंककर आग के हवाले कर दिया होगा। फिलहाल, इस पूरी घटना की जांच तिरोड़ी पुलिस द्वारा की जा रही है। बुधवार को पुलिस ने गांव में पौनियां और महदुली गांव में कहां-कहां सीसीटीवी कैमरे लगे है। इसकी पड़ताल शुरू कर दी है। जिस स्थान पर जली हुई लाश बरामद की गई वहां पौनियां के रास्ते ही आसानी से पहुंचा जा सकता है जबकि महदुली की तरफ से जाने वाला रास्ता बेहद खराब है। इस रास्ते से कोई भी चारपहिया वाहन नहीं जा सकता। ऐसे में महदुली के रास्ते से किसी चारपहिया वाहन के जरिए लाश को घटनास्थल तक लेकर जाने की संभावनाएं कम लगती है। पौनियां और दूसरा धनकोषा के रास्ते ही लाश को लाने की पूरी संभावना है हालांकि जब तक पुलिस इस मामले में खुलासा नहीं करती तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी ही होगी।

लांजी के मनेरी केन्द्र की धान खरीदी से जुड़ा मामला

सीएम हेल्पलाईन में शिकायत, 3 विभाग भी नहीं कर पाये जांच

धान खरीदी में क्रय की गई सामग्री में लगाए गए बिलों की भी हो जांच

कलेक्टर की सख्ती पर अधिकारियों की सुस्ती

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

सीएम हेल्पलाईन के प्रबंधन को लेकर बालाघाट जिले की स्थिति बेहतरीन है इसकी वजह कलेक्टर की सीधे तौर पर मॉनिटरिंग और लापरवाही बरतने पर की जाने वाली कठोर कार्यवाही है। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों पर कलेक्टर द्वारा शिकायतकर्ताओं के समक्ष निराकरण कर तुरंत निर्णय भी लिया जा रहा है। एसडीएम हो या रीडर और तहसीलदार हो या पटवारी हर कोई सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों को लेकर कार्यवाही की जद में आ रहा है। किंतु इतनी तगड़ी मॉनिटरिंग के बावजूद भी एक शिकायत ऐसी भी है जो घनचक्कर बन गई, 3 विभागों में शिकायतें तो पहुंची लेकिन कोई भी जांच नहीं कर पाया। आखिर में एक विभाग ने शिकायत देरी से मिलने का कारण बताकर इसे बंद करवा दिया। मामला समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी से जुड़ा है समय पर शिकायतकर्ता द्वारा गड़बड़ी एवं आर्थिक अनियमितता की आशंका पर शिकायत कर दी गई थी लेकिन दुर्भाग्य है कि तीन विभाग मिलकर भी इसकी जांच पूरी नहीं कर पाये ताकि शिकायतकर्ता को संतुष्टी मिले।

यह था पूरा मामला

समर्थन मूल्य पर की जाने वाली वर्ष 2026-27 खरीफ विपणनन वर्ष की शासकीय धान खरीदी से जुड़ा मामला लांजी क्षेत्र के सहकारी समिति मनेरी से जुड़ा हुआ है। शासन के निर्देशों पर 20 जनवरी तक धान खरीदी कार्य पूर्ण किया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा 26 दिसंबर को सीएम हेल्पलाईन सिटीजन एप के माध्यम से शिकायत दर्ज की गई थी शिकायत क्रमांक 36038372 में बताया गया था कि मनेरी केन्द्र में धान खरीदी को लेकर अनियमितता बरती जा रही है किसानों से निर्धारित मापदण्ड से अधिक धान की खरीदी हो रही है साथ ही बिचौलियों के धान को खपाने की भी आशंका है।

जांच की बजाये हस्तांतरित की जा रही शिकायत

सबसे पहले यह शिकायत सहकारिता विभाग में पहुंची जहां अगले ही दिन 27 दिसंबर को इसे आपूर्ति विभाग को ट्रांसफर किया गया इसके उपरांत 30 जनवरी को शासन के पत्र क्रमांक एफसीएस 2437 भोपाल दिनांक 30 अक्टूबर 2025 का हवाला देते हुए 181 में दर्ज शिकायतों के निराकरण का दायित्व जिला आपूर्ति नियंत्रक अधिकारी एवं उपार्जन एजेंसी के जिला अधिकारी का होना बताया गया और हस्तांतरित कर दिया गया। इसके पश्चात यह शिकायत राजस्व विभाग लांजी में पहुंची जहां से भी गंभीरता नहीं दिखाई गई और अंत में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लांजी द्वारा 5 फरवरी को शिकायत मिलने की बात कहते हुए धान खरीदी समाप्त हो जाने की स्थिति बताकर शिकायत को बंद करवा दिया गया। वही वित्तीय वर्ष 2025_ 26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में क्रय की गई सामग्री में लगाए गए बिलों की भी जांच की जानी चाहिए।

कलेक्टर सख्त लेकिन अधिकारी गंभीर नहीं

सीएम हेल्पलाईन में दर्ज इस शिकायत को घनचक्कर बना दिया गया तीन से चार विभागों में शिकायत पहुंची किंतु जांच किसी के द्वारा पूर्ण नहीं की गई। शिकायतकर्ता का कहना आया कि समय पर शिकायत दर्ज कर दी गई थी अगर जांच होती तो मौके पर ही मनेरी धान खरीदी केन्द्र में हो रही मनमानी एवं आर्थिक अनियमितताओं को पकड़ा जा सकता था लेकिन अधिकारियों की सुस्ती की वजह से शिकायत का औचित्य ही नहीं निकल पाया। देखा जाये तो कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा सीएम हेल्पलाईन संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है लेकिन अब भी विभागों के द्वारा टालमटौल रवैया अपनाते हुए एक विभाग से दूसरे में ट्रांसफर कर कलेक्टर की कार्यवाही से बचने के जतन किये जा रहे है जो समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था को लेकर बड़ा प्रश्नचिन्ह है।

सुप्रीम कोर्ट में शिक्षा व्यवस्था को लेकर जनहित याचिका, 70 लाख छात्रों के भविष्य पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी।

देश की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के शासकीय सेवक एवं लेखक सुखराम आसटकर ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों एवं अंकसूचियों में कथित व्यापक त्रुटियों का मामला प्रमुखता से उठाया गया है।याचिकाकर्ता का कहना है कि प्रदेश में लगभग 70 लाख विद्यार्थियों की अंकसूचियों में सुधार की आवश्यकता है, जिससे लाखों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसके साथ ही वर्ष 2026 के लिए घोषित कक्षा 10वीं और 12वीं की संशोधित परीक्षा तिथियों को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिससे छात्रों में मानसिक तनाव और अभिभावकों में चिंता का माहौल है।जनहित याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिक्षा प्रणाली में व्याप्त अव्यवस्थाओं के कारण देश में बेरोजगारी की समस्या और गंभीर होती जा रही है। याचिकाकर्ता के अनुसार यदि समय रहते शिक्षा व्यवस्था में सुधारात्मक कदम उठाए जाएं तो लाखों युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकते हैं और बेरोजगारी के आंकड़ों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।याचिका के माध्यम से निर्वाचन आयोग एवं केंद्र सरकार सहित संबंधित प्राधिकरणों से शिक्षा से जुड़े निर्णयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता बरतने की मांग की गई है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि मामले की शीघ्र सुनवाई कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि छात्रों के हितों की रक्षा हो सके।याचिकाकर्ता सुखराम आसटकर ने कहा कि यह मामला केवल परीक्षा या अंकसूची तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया स्वतः सशक्त होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वोच्च न्यायालय इस जनहित याचिका को गंभीरता से लेते हुए छात्रों और युवाओं के हित में ठोस निर्णय देगा।

उपचार करवाने जा रहे पति-पत्नी की सड़क हादसे में मौत

कटंगी। क्षेत्र की मार्यल नगरी तिरोड़ी के वार्ड क्रमांक 03 निवासी उइके दंपत्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा बुधवार की सुबह करीब 11 बजे के आस-पास तिरोड़ी से पिपरवानी के बीच कुरई थाना क्षेत्र में हुआ है। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार उइके दंपत्ति की मौत होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल कुरई पुलिस ने दोनों के शवों को बरामद कर पीएम के लिए कुरई अस्पताल ले जा लिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वार्ड क्रमांक 03 तिरोड़ी निवासी अशोक उइके उम्र 35 वर्ष अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता उइके उम्र 30 वर्ष के साथ कुरई उपचार कराने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कोयलारी और पिपरवानी के बीच अज्ञात वाहन ने उनके दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी 50 एस 3408 को जबरदस्त टक्कर मार दी। कोयलारी निवासी एक युवक ने इस हादसे को देखा किंतु घबराहट की वजह से वह घटनास्थल पर नहीं रुका और अपने घर चले गया। राहगीरों ने संजीवनी 108 और 112 को सूचना दी। जिसके बाद यह अति आवश्यक सेवाएं घटनास्थल पर पहुंची।

आज प्रसिद्ध क्रिकेटर आर पी सिंह का वारासिवनी आगमन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आर पी सिंह(रुद्र प्रताप सिंह) का गुरुवार 12 फरवरी को वारासिवनी आगमन हो रहा है। श्री सिंह वारासिवनी में चल रही देवधर ट्राफी में इटावा और जबलपुर के बीच होने वाले फाईनल मैच के मुख्य अतिथि होगे।

विदित हो कि प्रतिवर्ष देवधर ट्राफी के फाईनल मुकाबले के दिन देश की जानी मानी क्रिकेट हस्तियों का वारासिवनी आगमन होता रहा है। इसके पहले संदीप पाटिल, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर, नयन मोंगिया, नमन ओझा जैसे कई क्रिकेट खिलाड़ियों ने देवधर ट्राफी के फाईनल मैच में शिरकत की है।

उल्लेखनीय है कि 40 वर्षीय आर पी सिंह का पूरा नाम रुद्र प्रताप सिंह है, जिन्होंने भारत के लिए इंटरनेशनल मैचों में 14 टेस्ट मैचों में 40 विकेट, 58 एक दिवसीय में 69 विकेट, 10 टी 20 टी मैचों में 15 विकेट हासिल किए है। वहीं 94 फस्ट क्लास मैचों में 301 विकेट, 136 लिस्ट ए मैचों में 190 विकेट, 132 टी 20 में 146 विकेट हासिल किए है।

टेस्ट मैचों में उनका पदार्पण पाकिस्तान के खिलाफ फरीदाबाद में 21 से 25 फरवरी 2006 को खेले गए मैच से हुआ था और उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट मैच 18 से 22 अगस्त 2011 को इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था। एक दिवसीय मैच में उनका पदार्पण 4 सितम्बर 2005 को जिम्बांबे के खिलाफ हरारे में व अंतिम मैच 16 सितम्बर 2011 को इंग्लैड के खिलाफ कार्डिफ में खेला था। टी 20 मैच में उनका पदार्पण 13 सितम्बर 2007 में स्काटलैंड के खिलाफ डरबन में व अंतिम मैच 16 जून 2009 को साऊथ अफ्रीका के खिलाफ नाटिंगघम में खेला था।

देवधर ट्राफी के संस्थापकों में एक पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल ने बताया कि देवधर की परंपरा के अनुसार ही भारतीय क्रिकेट खिलाडियों को देवधर ट्राफी के फाईनल मैच के दिन आमंत्रित किया जाता है। जिससे क्षेत्र में क्रिकेट के प्रति लोगों की रुचि लगातार बनी रहे। इस बार भी तेज गेंदबाज आर पी सिंह को आमंत्रित किया गया है। जो गुरुवार को इटावा व जबलपुर के बीच होने वाले फाईनल मैच में शिरकत कर खिलाडिय़ों की हौसला अफजाई करेगे।